>

Title: Need to approve development projects in Balaghat district, Madhya Pradesh.

श्री के.डी. देशमुख (बालाघाट): सभापति महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का अवसर दिया, उसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूं। मैं मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले से चुनकर आता हूं। बालाघाट जिला मध्य प्रदेश के 34 जिलों में सबसे ज्यादा नक्सलवादी जिला माना जाता है। यह अति पिछड़ा जिला है। केन्द्र सरकार द्वारा एलडब्ल्यूई योजना के अंतर्गत रोड्स और पुलों के प्रस्ताव राज्य सरकारों से मंगाये गये। मध्य प्रदेश शासन द्वारा बालाघाट जिले के सड़क और पुलों के प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजे गये। इस बात को दो साल हो गये हैं, लेकिन आज तक इन मार्गों को वित्तीय स्वीकृति नहीं मिली है।

सभापति महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि जब केन्द्र सरकार चाहती है कि नक्सल प्रभावित जिलों में विकास होना चाहिए, तो फिर दो साल तक सड़क और पुल नहीं बनेंगे, तो वहां कैसे विकास होगा? इस तरह से वहां विकास नहीं हो सकता। इसलिए मैं आपके माध्यम से गृह मंत्री, वित्त मंत्री और सड़क एवं परिवहन मंत्री से निवेदन करना चाहता हूं कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा एलडब्ल्यूई के अंतर्गत भेजे गए प्रस्ताव दो साल से लंबित पड़े हैं। उन्हें केन्द्र सरकार तत्काल स्वीकृत करे, ताकि वहां जल्दी से जल्दी काम हो सके।

MR. CHAIRMAN : The House stands adjourned to meet again at 11 a.m. tomorrow, that is, 22nd May, 2012.

19.18 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Tuesday, May 22, 2012 /Jyaistha 1, 1934 (Saka).

---

* Speech was laid on the Table .

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.